स्कूल वैन दुर्घटना : सिर्फ एक हादसा नहीं, इसे अपने लिए चेतावनी भी मानिये, कितनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं आप ?

sehattimes August 9, 2024- 10:14 PM

-सीएमएस स्कूल के बच्चे ले जा रही वैन का टायर फटने से हुआ हादसा, छह बच्चे घायल, एक बच्ची आईसीयू में भर्ती

धर्मेन्द्र सक्सेना

लखनऊ। गोमती नगर सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के बच्चों को ले जा रही वैन के दुर्घटनाग्रस्त होने को सिर्फ एक हादसा मानकर, थोड़ा दु:ख जताकर, थोड़ी चर्चा करके चुप मत बैठ जाइये, सोच कर देखिये क्या आपके घर के, आपके रिश्तेदारों के, अड़ोस-पड़ोस आपके शुभचिन्तकों के बच्चे जिस वैन में जाते हैं, क्या आपने कभी जानने की कोशिश की है कि ये वाहन सुरक्षित हैं, इनका फिटनेस नियमानुसार हुआ है अथवा नहीं।

निश्चित रूप से अधिकांश लोगों का जवाब नहीं में होगा क्योंकि दूसरों के बच्चों को छोड़िये अपने घर के बच्चे जिस वाहन से स्कूल जाते हैं, उन वाहनों के बारे में भी ये जानकारी अधिकांश अभिभावकों ने लेने की जहमत नहीं उठायी होगी, उनके मन-मस्तिष्क में यह बात आयी ही नहीं होगी। लेकिन कहते हैं कि जब जागे तभी सवेरा, अब तो इस बात का ध्यान जरूर रखिये कि आपके कलेजे का टुकड़ा किन परिस्थितियों में और कैसे वाहनों में पढ़ने जाता है। ऐसा भी नहीं है कि इस तरह का हादसा पहली बार हुआ है, पहले भी होते रहे हैं, लेकिन यह विडम्बना है कि हम लोगों

में अधिकांश लोग दूसरों को हुई दिक्कतों, उनके अनुभवों से सबक नहीं लेते हैं, वही दिक्कत जब अपने ऊपर पड़ती है, तो समझ में आता है।

आज 9 अगस्त को प्रात: लगभग साढ़े सात बजे हुई दुर्घटना के बारे मेेें आपको बता दें कि सिटी मॉन्टेसरी स्कूल की गोमती नगर शाखा में पढ़ने वाले बच्चों को ले जा रही गाड़ी का टायर लखनऊ स्थित शहीद पथ पर प्लासियो मॉल के सामने फटने से गाड़ी डिवाइडर से टकरा गयी, पीछे से आ रही थार गाड़ी अचानक हादसे में लड़ी गाड़ी से टकरा गयी। इस टक्कर के बाद सीएमएस स्कूल के बच्चों को ले जा रही गाड़ी पलट गयी। गाड़ी में 12 बच्चे सवार थे। हादसा होते ही चीख-पुकार शुरू हो गयी। बच्चे रोने लगे, उनको गाड़ी से निकाला जाने लगा।

पुलिस द्वारा दी गयी जानकारी में बताया गया है कि शहीद पथ पर प्लासियो मॉल के पास बच्चों के ले जा गाड़ी का टायर फट गया, टायर फटने से गाड़ी डिवाइडर से टकराई और दुर्घटनाग्रस्त हो गई इसमें 12 बच्चे सवार थे। ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है। एक विशेष बात यह है कि पीछे चल रही थार गाड़ी में भी स्कूली बच्चे थे जो जयपुरिया स्कूल के थे लेकिन उसके बच्चे सुरक्षित हैं, उन्हें किसी प्रकार की चोट नहीं लगी है।

मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराए गए दो बच्चों के बारे में अस्पताल द्वारा जारी मेडिकल बुलेटिन में कहा गया है कि प्रातः 8:30 बजे दोनों बच्चों को आपातकालीन विभाग में लाया गया जिसमें एक बच्ची की स्थिति गंभीर बनी हुई है एवं उसे

वेंटिलेटर सपोर्ट पर न्यूरो आईसीयू में डॉ रवि शंकर की निगरानी में चिकित्सा प्रदान की जा रही है दूसरी बच्ची को आपातकालीन विभाग में प्राथमिक उपचार दिए जाने के बाद उनके माता-पिता घर लेकर चले गए।

इनके अलावा बचे चार घायल बच्चों को लोहिया अस्पताल भेजा गया। लोहिया संस्थान द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार आज सुबह करीब साढ़े सात बजे राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के मातृ एवं शिशु अस्पताल में चार बच्चे, डायल 112 के सामने CMS स्कूल की वैन के एक्सीडेंट में घायल होने के बाद पहुंचे जिन्हें तुरन्त कर्मचारियों द्वारा इमर्जेंसी पहुंचाया गया
बच्चों को प्राथमिक उपचार देते हुए पीडियाट्रिक मेडिसिन एवं पीडियाट्रिक सर्जरी, पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक्स के डाक्टर्स ने देखकर आवश्यकतानुसार जांचें करायीं, न्यूरोसर्जन को भी बुलाया गया तथा रेडियोलॉजी विभाग द्वारा एक्सरे / एम आर आई जांच करायी गयीं। जानकारी होने पर मौके पर प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री, संजय प्रसाद लोहिया संस्थान पहुंचे एवं बच्चों के उपचार के लिए सभी सरकारी सुविधाओं एवं मुफ्त इलाज प्रदान करने का निर्देश दिया। मौके पर जिलाधिकारी, लखनऊ भी उपस्थित थे। घायल बच्चों के अस्पताल पहुंचने की सूचना मिलते ही निदेशक प्रो सीएम सिंह भी तुरंत पहुंच गये तथा सभी आवश्यक उपचार के लिए निर्देशित किया। लोहिया अस्पताल में जिन चार बच्चों को इलाज के लिए ले जाया गया, उनमें 2 कक्षा 10 के छात्र है एवं एक छात्र कक्षा 1 और 2 के हैं, इनमें सार्थक शुक्ला 16 वर्ष, आशुतोष गुप्ता 15 वर्ष, नन्दिनी 9 वर्ष, अर्थ 6 वर्ष शामिल हैं। बताया गया है कि इन चार बच्चों में तीन बच्चों को जो हल्के चोटिल थे, उनको जांच/ उपचार और 4 घंटे निगरानी में रखने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया, एक बच्ची नन्दिनी (9 वर्ष) का अल्ट्रासाउंड और MRI Brain & Cervical spine की जाँच करायी गई है जिसमें सर्वाइकल स्पाइन ठीक है, कोई इंजरी नही है, ब्रेन में छोटा सा ब्लीड है जो खतरनाक नहीं, वैसे बच्ची ठीक है।